निर्देश :– सभी प्रश्नों के अंक समान हैं एंव किसी भी प्रश्न के असत्य उत्तर के लिए ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं है।

(1) अष्टांग हृदयाकार के अनुसार नस्य के कितने भेद होते हैं ? (अ. हृ. सू. 19/2)
- (अ) 2
- (ब) 3
- (स) 4
- (द) 5

(2) प्रमेह पिडिका का वर्णन चरक संहिता के किस अध्याय में है ? (च. सू. 17/82–90)
- (अ) प्रमेहनिदानध्याय
- (ब) प्रमेहचिकित्साध्याय
- (स) कियन्तः शिरसीयाध्यायः
- (द) अष्टोदरीयाध्याय

(3) ..... इत्येता यवाग्वः परिकीर्तिताः। (च. सू. 2/34)
- (अ) अष्टाविंशति
- (ब) चर्तुाविंशति
- (स) द्वात्रिशतं
- (द) एकादशावशिष्टायाः

(4) चरकोक्त पंद्रह कोष्ठांगों में से 'पक्वाशय' के स्थान पर आचार्य भेल ने कौनसे कोष्टांग का वर्णन किया है ?
- (अ) निवाप्नहन
- (ब) अवाप्नहन
- (स) वपावहन
- (द) फुफ्फुस

(5) स्रंसनमग्रयं मलपूरस इष्यते सगुडः। – किसकी चिकित्सा है। (च. चि. 8/162)
- (अ) कुष्ठ
- (ब) श्वित्र
- (स) किलास
- (द) विसर्प

(6) दशर्भिदश संक्षोभ्य चेतो नयति विक्रियाम्। – उपरोक्त कथन किसके संदर्भ में है। (च. चि. 24/29)
- (अ) मदात्यय
- (ब) विष
- (स) मूर्च्छा
- (द) संयास

(7) सशर्करा ..... त्रिभण्डी हिता गवाक्षी सगुडा च शुण्ठी। – किसकी चिकित्सा है। (सु. उ. 44/33)
- (अ) कामलिनां
- (ब) पाण्डुनां
- (स) हलीमक
- (द) पानकी

1. B	**2. C**	**3. A**	**4. A**	**5. B**	**6. A**	**7. A**

(8) चरकानुसार अनास्थाप्य रोग है। (च. सि. 2/16)
- (अ) हृदय रोग
- (ब) अजीर्ण
- (स) गुल्म
- (द) भगन्दर

(9) क्षारकर्म का निषेध है ? (सु. सू. 11/30)
- (अ) रक्तपित्त
- (ब) अर्श
- (स) मंदाग्नि
- (द) अरोचक

(10) अर्श की स्थिति में कौनसा कर्म अभुक्त करवाया जाता है ? (सु. सू. 5/16 – सु. सू. 12/6)
- (अ) शस्त्रकर्म
- (ब) अग्निकर्म
- (स) क्षारकर्म
- (द) शस्त्रकर्म + अग्निकर्म

(11) अक्रियायां ध्रुवो मृत्युः क्रियायां संशयो भवेत। – आचार्य सुश्रुत ने किसके लिए कहा गया है ? (सु. चि. 7/29)
- (अ) अश्मरी
- (ब) जलोदर
- (स) दूष्योदर
- (द) मूढगर्भ

(12) 'शूकदोष' किस स्थानगत व्याधि है ? (सु. नि. 14/3)
- (अ) गुदा
- (ब) मेढ्र
- (स) नेत्र
- (द) कर्ण

(13) किस आचार्य ने 'प्राक्चरणा' नामक योनिव्यापद का वर्णन नहीं किया है ? (सु. उ. 38/8)
- (अ) चरक
- (ब) सुश्रुत
- (स) वाग्भट्ट
- (द) माधव

(14) सुश्रुतानुसार 'गर्भछिद्राश्रित' कितनी पेशियॉ होती हैं ? (सु. शा. 5/51)
- (अ) 6
- (ब) 4
- (स) 3
- (द) 2

8. B	**9. A**	**10.**	**11. A**	**12. B**	**13. C**	**14. C**

(15) 'स्तन्यशोधन गण' होता है ? (सु. सू 38/28–55)
- (अ) वचादि
- (ब) मुस्तादि
- (स) हरिद्रादि
- (द) उपर्युक्त सभी

(16) एरण्ड तैल मूर्च्छना किसमें की जाती है ? (भैषज्य रत्नावली ज्वरे सू. 1291)
- (अ) दधिकान्जिकम्
- (ब) एरण्डमूलकषायेण
- (स) तोयच्चाढकसम्मितम्
- (द) पंचगव्यकान्जिकम्

(17) स्नायु, सिरा, रोम, बलवर्ण, नख, त्वचा की उत्तपत्ति गर्भ के किस माह में होती है ? (अ. हृ. शा. 1/51)
- (अ) चर्तुथ
- (ब) पन्चम
- (स) षष्ठम
- (द) सप्तम

(18) आचार्य चरकानुसार 'खल्ली' की चकित्सा में निर्दिष्ट हैं ? (च. चि. 28/101)
- (अ) उपनाह
- (ब) सिराव्यध
- (स) अग्निकर्म
- (द) वस्तिकर्म

(19) किशोर के 'आयुषः प्रमाणज्ञान' की परीक्षा कब की जाती है ? (च. शा. 8/51)
- (अ) जन्म के पश्चात्
- (ब) जातकर्म के पश्चात्
- (स) नामकरण के पश्चात्
- (द) उपनयन संस्कार के पश्चात्

(20) 10 बूंद, 8 बूंद, और 6 बूंद मात्राए किससे संबंधित है ? (अ. हृ. 20/10)
- (अ) मर्श नस्य
- (ब) प्रतिमर्श नस्य
- (स) अवपीड नस्य
- (द) अश्चयोतन

(21) वाग्भट्टानुसार बंसत और शरद ऋतु में नस्य कर्म कब करना चाहिए ? (अ. हृ. 20/14)
- (अ) पूर्वाह्ने
- (ब) मध्याह्ने
- (स) अपराह्ने
- (द) रात्रि में

15. D	**16. A**	**17. C**	**18. A**	**19. C**	**20. A**	**21. A**

(22) निम्न में से किसका वर्णन चरक, सुश्रुत और वाग्भट्ट तीनों आचार्यो ने सप्त महाकुष्ठ में शामिल किया है।
(अ) मण्डल
(ब) दद्रु
(स) सिद्धम्
(द) काकणक

(23) 'शैशुक सर्पि' का रोगाधिकार है। (काश्यप. चि. 28)
(अ) वातज गुल्म
(ब) पित्तज गुल्म
(स) कफज गुल्म
(द) रक्तज गुल्म

(24) 'अष्टशतारिष्ट' का रोगाधिकार है। (च. चि. 12/33)
(अ) कुष्ठ
(ब) पाण्डु
(स) गुल्म
(द) शोथ

(25) 'फल तैल' किसकी चिकित्सा में निर्दिष्ट है। (काश्यप. खिल. 8/94)
(अ) ज्वर
(ब) विसर्प
(स) गुल्म
(द) शूल

(26) गर्भिणी स्त्री के बिना अनुमति के गर्भपात करवाने पर कौन सी धारा लगती है ?
(अ) 312
(ब) 313
(स) 314
(द) 315

(27) स्रोत्रः कुण्डलसंस्थितम् जरायुणा परिवीतं – किस अंग के संदर्भ कहा गया है ? (काश्यप शा. 3)
(अ) गर्भ
(ब) गर्भाशय
(स) अपरा
(द) अपत्य पथ

(28) अंग–प्रत्यंग र्निवृत्तिः ..... एव जायते । (सु. शा. 3/34)
(अ) स्वभावात्
(ब) यदृच्छा
(स) ईश्वरं
(द) नियति

22. D	**23. A**	**24. D**	**25. D**	**26. B**	**27. B**	**28. A**

(29) लेहन के योग्य है ? (काश्यप सूत्र लेहाध्याय)
- (अ) बाला महाशना
- (ब) बालग्रह
- (स) कल्याणमातृक
- (द) सर्वरसाशिन्या

(30) 'लिह्याच्च खर्जूरफलं समाक्षिकं' – किसकी चिकित्सा है ? (सु. उ. 45/21)
- (अ) मदात्यय
- (ब) कामला
- (स) रक्तपित्त
- (द) हलीमक

(31) 'शीतस्तनुरविशोषी विशोषी च। – उपर्युक्त कथन किसके लिए है ? (सु. सू. 18/6)
- (अ) प्रलेप
- (ब) प्रदेह
- (स) आलेप
- (द) प्रघर्ष

(32) सर्पि का सेवन कब करना चाहिए ? (च. सू. 13/18)
- (अ) प्रावृट्
- (ब) शरद
- (स) बसंत
- (द) ग्रीष्म

(33) सामान्यतः अपरा और गर्भ भार का अनुपात कितना होता है।
- (अ) 1 : 4
- (ब) 1 : 6
- (स) 1 : 8
- (द) 1 : 10

(34) आचार्य चरक ने 360 अस्थियों में निम्न में से किसकी गणना अस्थियों में की नहीं है ? (च. शा. 7/5)
- (अ) दांत
- (ब) दन्तोलूखल
- (स) नख
- (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(35) 'एकोमहागदम्' किस व्याधि हेतु कहा गया है। (च. सू. 19/8)
- (अ) अतत्वाभिनिवेश
- (ब) हलीमक
- (स) संयास
- (द) रक्तपित्त

29. A	**30. C**	**31. A**	**32. B**	**33. B**	**34. D**	**35. A**

(36) एक कालं यवान्नं च भुंजीत स्निग्धमल्पशः – किसकी चिकित्सा के संदर्भ में कहा गया है। (सु. चि. 22/65)
(अ) उपजिव्हा
(ब) अधिजिव्हा
(स) रोहिणी
(द) गलौध

(37) यस्य धौतानि धौतानि संबध्यन्ते पुनः पुनः। – किसका लक्षण है। (सु. उ. 3/22)
(अ) प्रक्लिन्न वर्त्म
(ब) अक्लिन्न वर्त्म
(स) वत्मार्श
(द) क्लिष्टवर्त्म

(38) "यवमात्रं यवाकारं तिर्यक् छित्त्वा" – किस रोग के संदर्भ में कहा गया है ? (अ. हृ. उ. 9/35)
(अ) पक्ष्मकोप
(ब) अर्म
(स) अंजनामिका
(द) पक्ष्मावरोध

(39) तीक्ष्णांजनाभितप्ते तु चूर्ण प्रत्यंजनं .....। (अ. हृ. सू. 23/30)
(अ) शीतम्
(ब) हिमम्
(स) रोपणम्
(द) स्नेहम्

(40) काश्यप के अनुसार जातमात्र के लिए घृत की मात्रा होती है। (काश्यप खिल स्थान भैषज्योपक्रमणीय अध्याय 3)
(अ) कोलवत्
(ब) कोलास्थि वत्
(स) विडंगफल मात्र
(द) आमलक फल परिमाण।

(41) 'धात्रीपत्र' किसका पर्याय है ?
(अ) आमलकी
(ब) तालीशपत्र
(स) भूर्जपत्र
(द) पटोलपत्र

(42) 'मोचा' किसका पर्याय है ?
(अ) केला
(ब) मोचरस
(स) मयूरशिखा
(द) सर्जरस

36. B	**37. B**	**38. D**	**39. B**	**40. B**	**41. B**	**42. A**

(43) 'प्रपुन्नाड' किसका पर्याय है ?
- (अ) चक्रमर्द
- (ब) कासमर्द
- (स) अपामार्ग
- (द) विभीतक

(44) 'वृष्यवातहर' है ? (च. सू. 25/40)
- (अ) एरण्ड
- (ब) शालपर्णी
- (स) गोक्षुर
- (द) विदारीगंधा

(45) सुश्रुतोक्त 'आरग्वधादि गण' में शामिल नहीं है ? (सु. सू. 38/6)
- (अ) चित्रक
- (ब) गूडूची
- (स) पाटला
- (द) चिन्चा

(46) 'वनौषधि दर्पण' के लेखक कौन है ?
- (अ) ठाकुर बलवन्त सिंह
- (ब) चन्द्रराज भण्डारी
- (स) विरजाचरण गुप्त
- (द) प्रियव्रत शर्मा

(47) 'द्रव्यगुण संग्रह' के लेखक कौन है ?
- (अ) चक्रपाणि
- (ब) त्रिमल्ल भट्ट
- (स) यादवजी त्रिक्रमजी
- (द) प्रियव्रत शर्मा

(48) 'मदनफल' के कल्प योग है ?
- (अ) 133
- (ब) 131
- (स) 110
- (द) 39

(49) सुश्रुत ने एक बलिष्ठ व्यक्ति मे रक्तनिर्हरण का अधिकतम प्रमाण बतलाया कितना हैं ? (सु. शा. 8/16)
- (अ) 1 प्रस्थ
- (ब) 1 आढक
- (स) 1 हस्त
- (द) 1 प्रसृत

43. A	**44. A**	**45. D**	**46. C**	**47. A**	**48. A**	**49. A**

(50) गर्भोत्पादक भावों में 'आरोग्यामनालस्य' कौनसा भाव है। (च. शा. 3/11)
- (अ) रसज भाव
- (ब) सात्म्यज भाव
- (स) आत्मज भाव
- (द) सत्वज भाव

(51) .....विरेको वान्तस्य तत्श्चापि निरूहणम्। सद्यो निरूढोऽनुवास्यः सप्तरात्रात् विरेचितः।। (सु. चि. 39/52)
- (अ) पक्षात्
- (ब) मासात्
- (स) सप्तरात्रात्
- (द) सप्तदिवसात्

(52) 'उत्पिष्ट' किसका प्रकार है ? (सु. नि. 15/5)
- (अ) काण्ड भग्न
- (ब) संधि मुक्त
- (स) सद्योवग्र
- (द) दुष्टव्यध

(53) 'अंगुष्ठ' की सिरा में दाह कौनसे रोग में किया जाता है ? (सु. चि. 14/16)
- (अ) जलोदर
- (ब) प्लीहोदर
- (स) यकृतोदर
- (द) परिस्रावोदर

(54) तर्पयति, वर्द्धयति, धारयति, यापयति किसके कर्म है। (सु. सू 14/3)
- (अ) रस
- (ब) रक्त
- (स) ओज
- (द) वात

(55) रस प्रदोषज विकार नहीं है। (च. सू 28/12)
- (अ) गुल्म
- (ब) ज्वर
- (स) पाण्डुत्वं
- (द) तन्द्रा

(56) 'साध्याभाव व्याप्तो हेतु .....।
- (अ) हेत्वाभास
- (ब) बाधित
- (स) असिद्ध
- (द) विरूद्ध

50. B	**51. A**	**52. B**	**53. B**	**54. A**	**55. A**	**56. D**

(57) भुक्ते मुदुत्वं समुपैति यश्च – किसका लक्षण हैं। (च. चि. 5/11)
(अ) वातिक ग्रहणी
(ब) वातिक गुल्म
(स) अजीर्ण
(द) परिणाम शूल

(58) प्रयोगाणां तु सर्वेषामनु क्षीरं प्रयोजयेत्। – किसके लिए कहा गया है । (च. चि. 13/193)
(अ) उदर रोग
(ब) जीर्ण ज्वर
(स) ग्रहणी
(द) अर्श।

(59) निरन्तर सेवनीय आहार द्रव्य है। (च. सू. 5/10)
(अ) मत्स्य
(ब) दही
(स) यव
(द) यवक

(60) 'भुक्त्वा प्रच्छर्दनं' किसकी चिकित्सा में है। (च. सू. 7/15)
(अ) छर्दि वेगविधारण
(ब) श्रमःनिश्वास वेगविधारण
(स) क्षवथु वेगविधारण
(द) उदगार वेगविधारण

(61) गुल्म, हृद्रोग, सम्मोह – किस के लक्षण है ? (च. सू. 7/23)
(अ) छर्दि वेगविधारण
(ब) श्रमःनिश्वास वेगविधारण
(स) जृम्भा वेगविधारण
(द) उदगार वेगविधारण

(62) सभिन्न कांस्यस्वन तुल्य घोषः – किस व्याधि का लक्षण है ? (सु. उ. 52/5)
(अ) कास
(ब) श्वास
(स) हिक्का
(द) उरःक्षत

(63) पित्तं अच्छम् उदीर्यते – चरकानुसार अच्छ पित्त का उदीरण किस स्थान पर होता है। (च. चि. 15/10)
(अ) आमाशय
(ब) पक्वाशय
(स) ग्रहणी
(द) अग्नाशय

57. B	**58. A**	**59. C**	**60. A**	**61. B**	**62. A**	**63. C**

(64) रस काम धेनु के अनुसार कच्छप यंत्र के कितने भेद होते हैं ?
(अ) 2
(ब) 3
(स) 4
(द) 5

(65) केवल पारद को महारस किसने माना है ?
(अ) रसप्रकाश सुधाकर
(ब) रसोपनिषद
(स) आयुर्वेद प्रकाश
(द) सुधानिधि

(66) मण्डूर व गुड में चूना की भावना देने से बनने वाली कल्पना है ?
(अ) तारावटक
(ब) तारामण्डूर
(स) गुडमण्डूर
(द) सुधामण्डूर

(67) स्तनरोहित मर्म है ? (सु. शा. 6/7 एवं
(अ) मांसमर्म एवं कालान्तर प्राणहर, व स्तन चुंचुक से 2 अंगुल ऊपर
(ब) सिरामर्म, एवं कालान्तर प्राणहर, व स्तन चुंचुक से 2 अंगुल ऊपर
(स) मांसमर्म, एवं सद्यःप्राणहर, व स्तन चुंचुक से 2 अंगुल ऊपर
(द) स्नायुमर्म, एवं कालान्तर प्राणहर, व स्तन चुंचुक से 2 अंगुल नीचे

(68) पार्ष्णि पादतल की कौनसी सतह से जुडती है।
(अ) अभिमुख
(ब) पश्चमुख
(स) पृष्ठमुख
(द) तलमुख

(69) सतिक्तमधुरम् स्निग्धमुष्णं कफवातजितम् – किसके लिये कहा गया है ?
(अ) सैरेयक
(ब) दूर्वा
(स) कुष्ठ
(द) कटफल

(70) गोरक्षमज्जा की **family** है ?
(अ) **Compositae**
(ब) **Apocyanaceae**
(स) **Capparidaceae**
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

64. A	**65. C**	**66. A**	**67. A**	**68. A**	**69. A**	**70. D**

(71) ***Spheranthus indicus*** किसका लेटिन नाम है ?

(अ) गोरक्षमुण्डी
(ब) तिल
(स) बृहती
(द) सहदेवी

(72) Xantheline नामक एल्केलॉयड किस पौधे से प्राप्त होता है ?

(अ) इन्द्रवारूणी
(ब) अफीम
(स) भांग
(द) हरिद्रा

(73) अश्रुस्राव का **pH** कितना होता हैं ?

(अ) **7.5**
(ब) **6.8**
(स) **8.2**
(द) **4.5**

(74) Largest carpal bone is -

(A) Scaphoid
(B) Trapezium
(C) Capitate
(D) Hamate

(75) Length of pelvic colon is

(A) 10 cm
(B) 20 cm
(C) 30 cm
(D) 40 cm

(76) Claw hand is the sign of which poisoning

(A) Lead
(B) Organophosphorus
(C) Stychnus
(D) Zink

(77) Wilm's tumour is found in -

(A) Kidney
(B) Pancreas
(C) Liver
(D) Lungs

71. A	**72. B**	**73. A**	**74. C**	**75. D**	**76. A**	**77. A**

(78) Spastic gait (the manner or style of walking) is due to

(A) Lower moter neuron disorders

(B) Upper moter neuron disorders

(C) both

(D) None

(79) Size of Eosinophils is

(A) 7.5 micron

(B) 10-15 micron

(C) 2-8 micron

(D) 20-30 micron

(80) Length of pulmonary artery (हृदसिरा नाल की लंबाई) is approximately

(A) 3 cm

(B) 5 cm

(C) 7 cm

(D) 10 cm

----------X----------X----------

78. B	**79. B**	**80. B**				